व्रजभाषा सूर-कोश

(छठा खंड)

निर्देशक

ंडाँ० **दीनदयालु गुप्त, एम० ए०, एल-एल० बी०, डी० लिट्०,** प्रोफेसर तथा अध्यत्त हिंदी-विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय

संपादक

डॉ॰ प्रेमनारायण टंडन, पी-एच॰ डी॰ प्राध्यापक, हिंदी-विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय



भकाशक लखनऊ विश्वविद्यालय

शब्द-संख्या—६२७४ शब्द-संख्या—३३८७४

मृल्य—सादे तीन रुपया